हम चाहते हैं......

- खेलने के लिए हरे-भरे, बड़े मैदान होने चाहिए।
- स्कूल में शौचालय होने चाहिए-पर्याप्त और साफ-सुथरे।
- स्कूल में मूल सुविधाएं, जैसे कि पीने का साफ पानी, बिजली और पंखे होने चाहिए।
- टीचर बच्चों से प्यार और इज्ज़त से बात करें और गलती करने पर मारें नहीं, समझाएं।
- हमें अच्छे टीचर मिलें जो समय पर आएं और हमारी पढ़ाई पर ज्यादा ध्यान दें, जिससे हमारे अच्छे नम्बर आयें।
- हमारे स्कूल में, घर में और बस्ती में किसी भी तरह का भेद-भाव न हो, खासकर लड़का-लड़की में।
- हमें वर्दी और किताबें समय पर मिलें, जिससे हमारा पाठ्यक्रम समय पर पूरा हो।
- स्कूल में अच्छा खाना मिलना चाहिए – समय पर और पेट भर।
- स्कूल में फीस के अलावा और पैसों की मांग न की जाए क्योंकि हमारे माँ बाप नहीं दे पाते।
- लड़कियों की सुरक्षा पर ध्यान दिया जाए - बाहर के लड़कों को स्कूल के अन्दर न आने दिया जाए।

यह चार्टर 315 बच्चों की इच्छाएँ दर्शाता है, जो बच्चों द्वारा विचार विमर्श के उपरान्त, *गेटिंग गर्ल्स टू स्कूल* अभियान के सहयोगी NGOs और इण्डिया स्पॉन्सर फाउन्डेशन (ISF) के प्रयास से हमारे समक्ष प्रस्तुत है।